के चयन, परिकल्पना के प्रतिपादन, आदि के लिए एक आवश्यक सहायक क्रिया मानी जाती है।

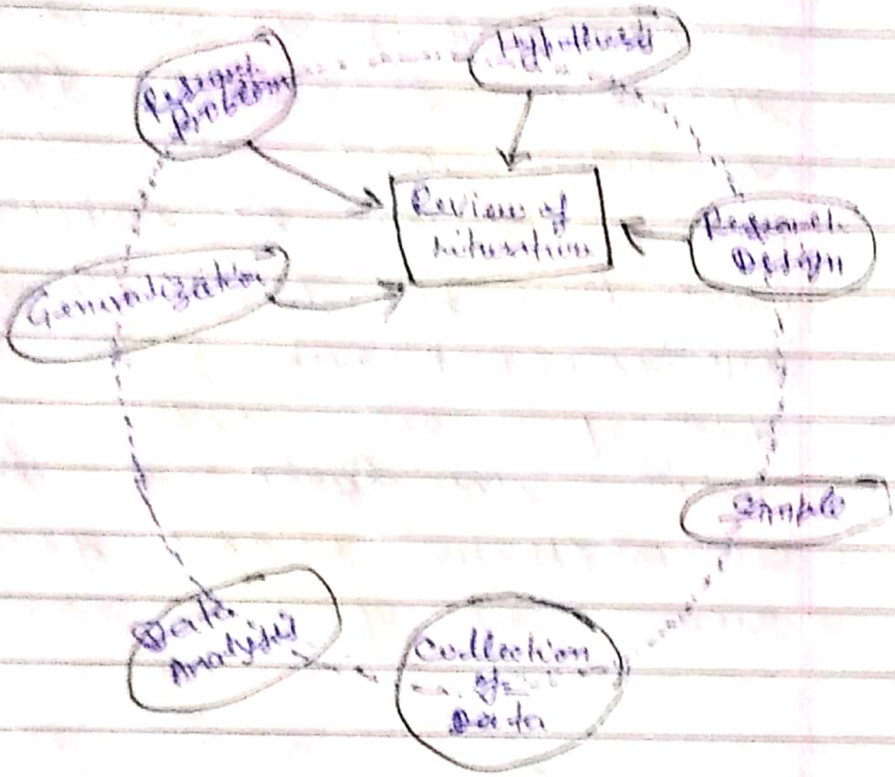

Seven Steps of Research Process

[अनुसंधान के सामान्य उद्देश्य
General Objectives of Research] →:

किसी भी अनुसंधान कार्य का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक विधि का प्रयोग करके समस्याओं का समाधान खोजना होता है, ये ऐसी समस्याएं होती है जो अभी तक अज्ञात सत्यों, सिद्धान्तों या उपयोगों को सामने लाती है अनुसंधान के मुख्य उद्देश्य निम्न है —

(1) भूत या वर्तमान की किसी घटना क्रम को भली भाँति समझना।

Scanned by CamScanner

(2) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, समूह की विशेषताओं को यथार्थता से जानना।
(3) दो या दो से अधिक चरों के बीच अन्तर्सम्बन्धों (Inter relation) को ज्ञात करना।
(4) कार्य-कारण से सम्बन्धित किसी परिकल्पना का परीक्षण करना
(5) किसी सामान्यीकरण को स्थापित करना
(6) किसी नियम (Rule) सिद्धान्त (Theory) या स्पष्टीकरण (Explanation) का प्रतिपादन करना।
(7) किसी क्षेत्र विशेष के विकास के इतिहास (History) परिवर्तन व स्थिति का अध्ययन करना।

वर्णनात्मक अनुसंधान
(Descriptive Research)

मात्रात्मक अनुसंधान की यह सबसे अधिक प्रचलित अनुसंधान विधि है। यह वर्तमान में क्या है? (what is) का वर्णन व व्याख्या प्रस्तुत करके किसी घटनाक्रम की वर्तमान स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराता है। अतीत की घटनाओं, अनुभवों तथा प्रभावों के सापेक्ष यह वर्तमान घटना क्रमों व परिस्थितियों को स्पष्ट करता है।

प्रकृति के आधार पर मात्रात्मक

Scanned by CamScanner

प्रकार के वर्णनात्मक अनुसंधानो को तीन वर्गो :
(1) सर्वेक्षण अनुसंधान
(2) सहसम्बन्धात्मक अनुसंधान
(3) कारणीय-तुलना अनुसंधान में बांटा जा सकता है आगे इसके विषय में चर्चा करेंगें।

* वर्णनात्मक अनुसंधान किसी परिस्थिति की उस दशा एवं प्रकृति के अध्ययन की ओर प्रवृत्त होता है जैसी वह अध्ययन के समय मौजूद है। इस प्रकार के अनुसंधान कार्य चरो के बीच उपस्थित सम्बन्धो को (अथवा समूह के बीच अन्तर) ज्ञात करते हैं, परिकल्पनाओं का परीक्षण करते हैं एवं सामान्यीकरणों, सिद्धान्तों या नियमों को प्रतिपादित करते है। इन अनुसंधान के परिणामों से विभिन्न स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दो से सम्बन्धित समस्याओं को समझने एवं उनका समाधान निकालने में महत्त्वपूर्ण सहायता मिलती है।

* वर्णनात्मक प्रकार के संमक प्रायः अवलोकन, साक्षात्कार, प्रश्नावली, परीक्षण, अभिवृत्ति मापनी, प्रक्षेपीय प्रविधि आदि का प्रयोग करके संकलित किये जाते है। वर्णनात्मक अनुसंधानकर्ता को अनेक बातो, सावधानियाँ, सिद्धान्तों का पालन करना होता है। और तरह-2 की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

Scanned by CamScanner

प्रतिनिधित्व यादृच्छिक प्रतिदर्श का चयन; वस्तुनिष्ठ, विश्वसनीय व वैध मापन उपकरणों का प्रयोग; आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उचित व उपयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग; एवं विश्वसनीय व वैध निष्कर्षों की प्राप्ति आदि वर्णनात्मक अनुसंधान में अत्यन्त आवश्यक होता है।

* जैसा कि विदित है कि वर्णनात्मक अनुसंधान का लक्ष्य स्वाभाविक पृष्ठभूमि में विभिन्न घटनाओं (Phenomena) का अन्वेषण करना होता है इसे प्रारम्भिक प्रकार का अनुसंधान कहा जा सकता है जिसका तत्कालिक उद्देश्य सिद्धान्तों का या नियमों की स्थापना करना नहीं होता वरन् समस्याओं के समाधान के लिए महत्त्वपूर्ण व उपयोगी सूचनाओं को वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत करना है। व्यापक रूप में यह कहा जा सकता है कि वर्णनात्मक अनुसंधान (1) वास्तव में क्या है? (2) क्या चाहते हैं? (3) कैसे प्राप्त कर सकते हैं? से सम्बन्धित प्रश्नों का उत्तर प्राप्त करने का प्रयास होता है।

वर्णनात्मक अनुसंधान किसी समस्यात्मक परिस्थिति में अनुसंधान समस्या की पहचान व परिभाषीकरण से प्रारम्भ होता है। सम्बन्धित साहित्य के

Scanned by CamScanner

सर्वेक्षण तथा परिकल्पना निर्माण से इसे एक स्पष्ट दिशा मिलती है तथा तत्पश्चात अनुसंधान अभिकल्प (Design) का निर्धारण किया जाता है। प्रतिचयन अभिकल्प, संमक संकलन अभिकल्प तथा सांख्यिकीय विश्लेषण अभिकल्प नामक तीन अभिकल्प किसी भी वर्णनात्मक अनुसंधान के प्राण होते हैं।

Steps → वर्णनात्मक अनुसंधान की प्रक्रिया को निम्न सोपानों तथा उपसोपानों के रूप में विभक्त करके प्रस्तुत किया जा रहा है। –

(1) समस्यात्मक परिस्थिति की विवेचना करना।

(2) अनुसंधान प्रश्नों तथा समस्या का निर्धारण करना।

(3) अनुसंधान के तर्काधारों की विवेचना करना।

(4) अनुसंधान परिकल्पनाओं का निर्माण करना।

(5) जनसंख्या से उपयुक्त प्रतिदर्श का चयन करना।

(6) संमक संकलन की विधियों व उपकरणों का चयन करना

(7) संमको का संकलन, स्कोरिंग व सारणीयन करना

(8) संमको का विश्लेषण करके परिकल्पनाओं का परीक्षण करना।

Scanned by CamScanner

(9) निष्कर्षों की प्राप्ति तथा सामान्यीकरण करना। जिससे कि स्पष्ट है कि वर्णनात्मक अनुसंधान आगमन - निगमन तर्क की वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग करता है।

सर्वेक्षण अनुसंधान
(Survey Research)

वर्णनात्मक अनुसंधान का एक सबसे प्रचलित प्रकार सर्वेक्षण अनुसंधान है।

* सर्वेक्षण किसी क्षेत्र, समूह, या संस्था की वर्तमान स्थिति को जानने, विश्लेषित करने, व्याख्यित करने तथा प्रतिवेदित करने का एक सुनियोजित प्रयास है जिसमें प्रायः प्रश्नावली, साक्षात्कार या परीक्षणों के माध्यम से काफी अधिक व्यक्तियों के संमंक संकलित किये जाते है। इसमें व्यक्तिगत इकाइयों की विशेषताओं को वैयक्तिक रूप में ना देखकर समूह की विशेषताएँ सामूहिक रूप में देखी जाती है एवं संमको को समूह व उपसमूह की विशेषताओं के रूप में संक्षिप्तीकरण कर प्रस्तुत किया जाता है। सर्वेक्षण को दो प्रकारों प्रतिदर्शी सर्वेक्षण (Sample